Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding the preservation of the 70-100 old ponds under the Dam Safety system.

डॉ. ढालसिंह बिसेन (बालाघाट): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया ।

आप जानते हैं कि जल कितना आवश्यक है और हमारी सरकार जल संरक्षण के लिए किस तेजी से काम कर रही है । कृषि और पेयजल के तालाबों का संरक्षण अति आवश्यक है । स्वतंत्रता प्राप्त किए हुए 75 साल हो गए हैं, जो तालाब निर्मित किए गए थे, उनकी जो नहर प्रणालियां हैं, चे लगभग छिन्न-भिन्न हो गई हैं । इनका ठीक से रखरखाव न होने के कृषकों को पानी नहीं मिलता है । यद्यपि पुराने तालाबों की जितनी क्षमता थी, आज की तारीख में दोगुनी क्षमता से सिंचाई कर रहे हैं । मेरे लोकसभा क्षेत्र में टिकाड़ी गांव में सर्राठी तालाब है । यह 105 साल पुराना है । इसकी नहर प्रणाली लगभग समाप्त हो गई है ।

मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि सिंचाई के लिए नहर प्रणाली को ठीक करने के लिए राशि दी जाए । इसके गेट, कुलापे बर्बाद हो गए हैं । ढूटी एक बड़ा पुराना जलाशय वेनगंगा नदी पर है । इस पर इतनी सिल्ट हो गई है कि एक फुट भी पानी नहीं भरता है । इसकी रिसिल्टिंग की जाए ।

इसके अलावा हमारे क्षेत्र में 70 से 100 साल पुराने तालाब हैं, इनकी नहर प्रणालियों का सीमेंटीकरण किया जाए ताकि सिंचाई की क्षमता, जो दोगुनी विकसित की गई है, इसे और ज्यादा विकसित किया जा सके । इसका पानी बर्बाद नहीं होना चाहिए और सिंचाई के लिए पूरा पानी मिलना चाहिए । हम बहुत तालाबों में पेयजल के लिए भी पानी देते हैं । इसका पानी बर्बाद न हो, इसलिए डैम सेफ्टी के अंतर्गत इन तालाबों का पुन: संरक्षण करने के लिए केंद्र सरकार अधिकतम राज्यों की मदद करे । धन्यवाद ।